श्रेष्ठ समाज के लिए नैतिक, आध्यात्मिक एवं मानव मूल्य प्रेरित

EDUCATION WING, R.E.R.F.
WISDOM FOR A NEW WORLD

शिक्षा दर्पण

शिक्षा प्रभाग की त्रैमासिक समाचार पत्रिका | दिसम्बर - 2024 | ब्रह्माकुमारीज़, माउण्ट आबू (राज.)

1

2

1. **शांति सरोवर (हैदराबाद)।** ब्रह्माकुमारीज़ शांति सरोवर, हैदराबाद में आयोजित **'स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए शिक्षा में मूल्य और आध्यात्मिकता'** संगोष्ठी का उद्घाटन करने के पश्चात् श्री अवंति श्रीनिवास (चेयरमैन, अवंति इंस्टीट्यूशन, हैदराबाद), श्री गद्दम् श्रीनिवास यादव (चेयरमैन, हैंडावी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, हैदराबाद), प्रो. डॉ. एन.बी. सुदर्शन आचार्य (संस्थापक, लीड इंडिया फाउंडेशन, हैदराबाद), प्रो. डॉ. एन.बी. सुदर्शन आचार्य (संस्थापक, लीड इंडिया फाउंडेशन, हैदराबाद), श्री मधुसूदन (अध्यक्ष, टी.आर.एस.एम.ए., हैदराबाद), राजयोगिनी ब्र.कु. कुलदीप दीदी (निदेशिका, ब्रह्माकुमारीज़, शांति सरोवर, हैदराबाद), ब्र.कु. सुमन बहन, डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि, ब्र.कु. अंजलि बहन तथा अन्य।
2. **शांति सरोवर (हैदराबाद)।** ब्रह्माकुमारीज़ शांति सरोवर, हैदराबाद में आयोजित **'स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए शिक्षा में मूल्य और आध्यात्मिकता'** संगोष्ठी में पूरे भारत से आये एजुकेशन विंग के सदस्यों का ग्रुप फोटो।

परामर्श दाता
राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय
अतिरिक्त महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं अध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग
राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू बहन
उपाध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग

कार्यकारिणी
राजयोगिनी ब्र.कु. सुमन
राष्ट्रीय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग
डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि
निदेशक, मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा कोर्स
ब्र.कु. शिविका
मुख्यालय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग
डॉ. आर.पी. गुप्ता
मुख्यालय संयोजक, मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम

प्रधान सम्पादक
डॉ. ब्र.कु. ममता
संयोजिका, शिक्षा प्रभाग, अहमदाबाद, गुजरात

सह सम्पादक और डिजाइनिंग सेटिंग
ब्र.कु. चुनेश, शान्तिवन, आबू रोड

प्रकाशक
एज्यूकेशन विंग (RERF) एवं ब्रह्माकुमारीज़

प्रकाशन
ओमशान्ति प्रिंटिंग प्रेस, शान्तिवन, आबू रोड

निवेदन

शिक्षा प्रभाग के सेवा समाचार फोटो सहित तथा स्व-रचित कविता, गीत, लेख इत्यादि **एज्यूकेशन ऑफिस, आनंद भवन, शान्तिवन, आबू रोड** के पते पर भेजकर अपना सहयोग प्रदान करें।

डॉ. ब्र.कु. ममता
संयोजिका, शिक्षा प्रभाग,
सुख शान्ति भवन (अहमदाबाद)

educationwing@bkivv.org
+91 94140-03961 / +91 94263-44040
Join WhatsApp Group:
www.bkinfo.in/edu

अमृत सूची

❖ **सम्पादकीय -**
मूल्य और आध्यात्मिकता की पहचान

❖ शिक्षकों का कर्तव्य है ज्ञान रूपी समुद्र से अपनी कश्ती के द्वारा सभी को किनारे तक पहुँचाना

❖ शिक्षक दिवस पर देशभर में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियां

❖ शिक्षा प्रभाग की वार्षिक ट्रेनिंग और मीटिंग

❖ महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ में मूल्य शिक्षा कार्यक्रम

❖ विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

सम्पादकीय

मूल्य और आध्यात्मिकता की पहचान

डॉ. ब्र.कु. ममता शर्मा

समय की रफ्तार को देखते हुए हम कह सकते हैं कि चारों तरफ लोग दौड़ते हुए नज़र आ रहे हैं। तेजी से दौड़ती हुई दुनिया में प्रत्येक व्यक्ति बाहर ही झांकता हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरा व्यक्ति मुझसे आगे जा रहा है। यह देखकर मुझे भी उनसे आगे जाना है। यही सोच मानव को कभी-कभी बहुत बड़े अमानवीय व्यवहार की तरफ धकेल रही है। कुछ अधिक पाने की इच्छा में अब मानव अपने आपको भूल गया है। परिवार, रिश्ते-नाते, ऊंच-नीच की परख शक्ति को खो रहा है। थोड़ा मिलने की आशा बहुत कुछ गंवाने के लिए मजबूर कर देती है। यही हो रहा है वर्तमान समय, झूठ बोलना, अपराध करना, चोरी करना, इससे भी ऊपर उठकर गलत कार्यों का समाचार हम वर्तमान पत्रों में, सोशल मीडिया पर देखते रहते हैं।

वास्तव में, मनुष्य की इच्छाएं ऊंचाइयों को छू रही है परंतु कर्म अधोगति की ओर अग्रसर है। प्रश्न यह उठता है कि कर्म को पहचाने कैसे कि यह अच्छे या बुरे कर्म है! आजकल जहां देखो वहां मोटिवेशनल स्पीकर बहुत दिखाई देते हैं जो अपने भाषण में प्रेरणादायी वचन देते हुए पाये जाते हैं। वे महान लोगों के जीवन की गाथा कहते हुए दिखाई देते हैं। कुछ दिनों तक प्रभावी होते हैं परन्तु जीवन व्यवहार में कभी-कभी वह भी दुनियावी प्रभाव में आकर ऐसे कर्म करते हुए पाये जाते हैं जो दूसरों को प्रेरणा देने के लिए सक्षम नहीं रहते हैं। अब फिर प्रश्न यह है कि फिर क्या किया जाये जो परिस्थितियों को सुलझा सके।

अच्छे कर्म के लिए अच्छी शिक्षा का होना आवश्यक है। अच्छी शिक्षा कौन देगा? आज शिक्षा को कई भागों में बांट दिया है। नई नई खोज की जा रही है। शोध-संस्थाएं नई शोध की दिशा-निर्देश दे रही है। किन्तु व्यक्ति आज भी असमंजस में, तनाव में है। तन से बीमार, मन से असंतुष्ट, धन से गरीब भी पाया गया है।

इसका कारण है आज भी मानव मूल्यों का अधूरा एवं अस्पष्ट ज्ञान। आध्यात्मिकता का अभाव। यदि मानव संपूर्ण, सहज, प्रेम पवित्रता, शांति, सहयोग जैसे मूल्यों को समझ ले, पहचान ले तो आज भी अच्छे कर्म और सरल जीवन जी सकता है। वर्तमान शिक्षा में मूल्यों को महत्व दिया गया है। परंतु मूल्यों की पहचान आध्यात्मिकता से ही संभव है। यह भी जानना जरूरी है। जितने भी प्रेरक प्रवक्ता है। वे सभी मूल्य और आध्यात्मिकता की सही पहचान कराए। लोगों को यह समझाये कि आध्यात्मिकता बुद्धि को विशाल बनाती है और मूल्यों को धारण करने के लिए प्रेरित करती है।

मूल्य और आध्यात्मिकता की सही पहचान रखने वाला व्यक्ति जीवन में हमेशा सफल होता है। वह कभी दूसरों को दुःख नहीं देता, दूसरों को अपने सरल व्यवहार से सुखी बनाता है। प्रेरणा देता है। मूल्य और आध्यात्मिकता द्वारा वह दूसरों के जीवन में अपने कर्म व्यवहार से उजाला करता है। प्रेरणा कभी वक्तव्य देने से नहीं मिलती उसके लिए जीवन में धारणा की आवश्यकता होती है।

ज्ञान का होना तब प्रभावी होता है जब ज्ञान को जीवन में धारण किया जाए। धारणा को व्यवहार में लाने पर दूसरों की सेवा होती है और आध्यात्मिकता सच्चे अर्थ में परमात्मा से योग बनाती है। यूं ज्ञान, योग, धारणा और सेवा में सफल होने वाला व्यक्ति ही मूल्य और आध्यात्मिकता को सच्चे अर्थ में पहचानता है। मनुष्य से देवत्व की ओर जाने का मार्ग भी यही है।

शिक्षकों का कर्तव्य है ज्ञान रूपी समुद्र से अपनी कश्ती के द्वारा सभी को किनारे तक पहुँचाना

"स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के लिए शिक्षा में मूल्य और आध्यात्मिकता" विषय पर शिक्षाविदों के लिए संगोष्ठी का आयोजन

शांति सरोवर (हैदराबाद)। ब्रह्माकुमारीज़, ग्लोबल पीस ऑडिटोरियम, शांति सरोवर, हैदराबाद, तेलंगाना में शिक्षाविदों के लिए **'स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के लिए शिक्षा में मूल्य और आध्यात्मिकता'** विषय पर एक कांफ्रेंस का आयोजन 16 नवम्बर को प्रातः 10 बजे से किया गया, जिसमें हैदराबाद और आसपास के क्षेत्र के लगभग 1000 से अधिक स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में आए हुए सभी मेहमानों का पुष्पगुच्छों द्वारा स्वागत किया गया। श्री भास्कर कला अकादमी, हैदराबाद की कन्याओं ने गणेश नृत्य प्रस्तुत किया। **ब्र.कु. मनीषा बहन** ने **'मूल्य और आध्यात्मिकता द्वारा मानसिक कल्याण'** विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि जब स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी हमें गुड मॉर्निंग कहकर शुभकामनाएँ देते हैं, तो हमें स्नेह और सम्मान के साथ उत्तर देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि भय अथवा प्रेम की मनोस्थिति का प्रभाव हमारे विचारों, व्यवहार और व्यक्तित्व पर पड़ता है। इसीलिए हमें अपनी प्रतिक्रिया के माध्यम से विद्यार्थियों को सहज और सरल बनाना चाहिए ताकि वे आसानी से हमारे संपर्क में आ सकें। किसी भी परिस्थिति में स्थिर रहने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। उन्होंने प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने विषय को विस्तार से स्पष्ट किया और मानसिक स्थिरता एवं एकाग्रता बढ़ाने के लिए मेडिटेशन के विभिन्न प्रयोगों की जानकारी दी।

राजयोग प्रशिक्षिका **ब्र.कु. सुमनलता बहन** ने संस्थान द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों के लिए की जा रही सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का कर्तव्य है- ज्ञान रूपी समुद्र से अपनी कश्ती द्वारा सभी को किनारे तक पहुँचाना। वर्तमान समय में समाज का हर वर्ग अपने भीतर सकारात्मक परिवर्तन चाहता है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की प्रमुख शिक्षा, राजयोग जीवनशैली, हमें अपने व्यक्तिगत जीवन में सकारात्मक परिवर्तन करने की प्रेरणा देती है।

स्व-अनुभूति और परमात्म-अनुभूति के द्वारा जब हम ईश्वर के साथ अविनाशी संबंध का अनुभव करते हैं, तो उस कनेक्शन से मिलने वाली शक्तियां हमारी सभी नकारात्मकताओं को समाप्त कर सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव कराती हैं। उन्होंने मेडिटेशन के वैज्ञानिक अर्थ को स्पष्ट करते हुए सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया।

विशिष्ट अतिथि आदरणीय **श्री अवंति श्रीनिवास** (चेयरमैन, अवंति इंस्टीट्यूशन, हैदराबाद) ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर मुझे आध्यात्मिक जीवनशैली के सकारात्मक प्रभाव और मेडिटेशन के वैज्ञानिक स्वरूप को समझने का अवसर मिला।

उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में, जहां चारों ओर नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव है, ऐसे में हमें मानसिक स्थिरता और एकाग्रता के लिए नियमित रूप से मेडिटेशन का अभ्यास करना चाहिए।

ब्र.कु. लक्ष्मी बहन ने इस सत्र का सफल संचालन किया। कार्यक्रम ने शिक्षकों को समाज में मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना हेतु प्रेरित किया।

इस कांफ्रेंस का विधिवत उद्घाटन सत्र दोपहर 12 बजे आयोजित किया गया। सत्र की शुरुआत में सभी मेहमानों का शाल और पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत किया गया। इसके पश्चात **ब्र.कु. अंजलि बहन** ने अपने स्वागत भाषण के माध्यम से सभी अतिथियों का शब्दों द्वारा अभिनंदन किया।

डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि (निदेशक, मूल्य शिक्षा कार्यक्रम) ने सभा को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा पिछले 87 वर्षों से भारत और विश्वभर में मूल्य और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में की जा रही सेवाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 2009 से भारत के कई विश्वविद्यालयों के सहयोग से मूल्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत विभिन्न डिप्लोमा और डिग्री कोर्स तैयार किए गए हैं। इन कोर्सों के माध्यम से अब तक हजारों विद्यार्थियों को मानवीय मूल्यों को समझने और अपने जीवन में धारण करने में मदद मिली है।

उन्होंने कहा कि आप अपनी जीवन में क्या चाहते हैं? जीवन में

परिस्थितियाँ निरंतर बदलती रहती हैं। हम समाज का हिस्सा हैं और हमारे पास ज्ञान एवं समझ है। हमने अपने जीवन में बहुत कुछ अर्जित किया है, फिर भी जब हम मूल्य आधारित व्यक्तित्व को देखते हैं, तो हम उसकी ओर आकर्षित होते हैं और ऐसा जीवन जीने की इच्छा रखते हैं। हर व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन चाहता है और इसके लिए प्रयास करता है।

डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि ने राजयोग जीवनशैली को आत्म-सशक्तिकरण का प्रभावशाली माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का मुख्य उद्देश्य समाज में शांति, सौहार्द, स्नेह, करुणा और सहयोग जैसे मानवीय मूल्यों की स्थापना करना है।

कार्यक्रम में पधारे **श्री गद्दम् श्रीनिवास यादव** (चेयरमैन, हैंडावी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, हैदराबाद) ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह कार्यक्रम बेहद प्रेरणादायक है और इस शांति से परिपूर्ण परिसर में आकर मैंने दिव्यता की अनुभूति की। वर्तमान समय में शिक्षण संस्थानों का उद्देश्य कुछ हद तक बदल गया है। आज शिक्षा पूरी तरह से प्रोफेशनल स्टडीज पर केंद्रित हो गई है। शिक्षा में मानवीय मूल्यों के अभाव के कारण आने वाली पीढ़ी में भावनात्मक परिपक्वता और नैतिकता की कमी देखी जा रही है। डिजिटल एडिक्शन और नकारात्मकता का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जिससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल प्रोफेशनल शिक्षा देना ही पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों में नैतिक और मानवीय मूल्यों का विकास भी अनिवार्य है। इसके लिए शिक्षकों को विशेष प्रयास करने होंगे। इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

ब्र.कु. विष्णुप्रिया बहन ने प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार किया।

प्रो. डॉ. एन.बी. सुदर्शन आचार्य (संस्थापक, लीड इंडिया फाउंडेशन, हैदराबाद) ने कार्यक्रम के प्रति अपनी शुभकामनाएँ दीं।

डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय (कार्यकारी सचिव, ब्रह्माकुमारीज़, माउंट आबू) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने विचार साझा किए।

श्री मधुसूदन (अध्यक्ष, टी.आर.एस.एम.ए., हैदराबाद) ने कहा कि मूल्य शिक्षा के बिना समाज अधूरा और हानिकारक बन जाता है। आज के समय में संयुक्त परिवारों के एकल परिवार में बदलने के कारण पारिवारिक, सामाजिक और व्यावहारिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। यह मानवीय जीवन में तनाव और असंतोष का कारण बन रहा है। शिक्षा में मूल्यों का समावेश आज की प्रमुख आवश्यकता है। मूल्य आधारित शिक्षा से न केवल मनुष्य मानसिक रूप से स्वस्थ बनता है, बल्कि उसकी निर्णय शक्ति भी सशक्त होती है।

राजयोगिनी ब्र.कु. कुलदीप दीदी (निदेशिका, ब्रह्माकुमारीज़, शांति सरोवर, हैदराबाद) ने अपने आशीर्वचन में कहा कि वर्तमान समय में जब जीवन मूल्य लुप्त हो रहे हैं, ऐसे में शिक्षण संस्थान मूल्य पुनर्स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2002 में प्रदेश सरकार द्वारा इस परिसर के निर्माण के लिए सहयोग दिया गया, ताकि आध्यात्मिक ज्ञान और मूल्य शिक्षा के माध्यम से समाज को उत्कृष्ट बनाने की दिशा में काम किया जा सके। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का चरित्र अत्यंत मूल्यवान है। यदि चरित्र खो जाता है, तो सब कुछ समाप्त हो जाता है। अपने निजी अनुभव साझा करते हुए उन्होंने सभी को मूल्यों को अपनाने और राजयोग का अभ्यास करने की प्रेरणा दी। अंत में सभी मेहमानों को ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया गया।

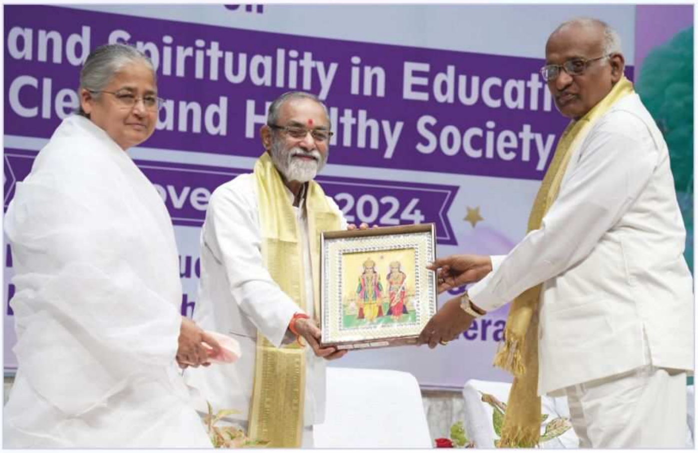

शिक्षक दिवस पर देशभर में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियां

Bhopal (MP)

Kadma (HR)

Dombivali (MH)

Jabalpur (MP)

Bhopal (MP)

Ambikapur (CG)

शिक्षक दिवस पर देशभर में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियां

Bhopal (MP)

Bilaspur (CG)

Porsa (MP)

Dabra (MP)

Harpalpur (MP)

Ghuwara (MP)

Jabalpur (MP)

शिक्षा प्रभाग की वार्षिक ट्रेनिंग और मीटिंग

शांति सरोवर (हैदराबाद)। शिक्षा प्रभाग की वार्षिक ट्रेनिंग और मीटिंग का आयोजन शांति सरोवर, हैदराबाद में 15 से 17 नवम्बर 2024 तक किया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन, 15 नवम्बर 2024 को ज्वालामुखी योग तपस्या भट्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें अमृतवेला योग से लेकर शाम को बापदादा मिलन तक सभी ने शक्तिशाली योग तपस्या करते हुए अव्यक्त स्थिति का अनुभव किया।

प्रात: 10 बजे से योग तपस्या के सत्र की शुरुआत हुई, जिसमें शिक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका **ब्र.कु. सुमन बहन** द्वारा मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया। प्रात: 11 बजे **राजयोगिनी ब्र.कु. कुलदीप दीदी जी** (निदेशक, शांति सरोवर, हैदराबाद) ने मीटिंग में आए हुए सभी शिक्षा प्रभाग के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी ब्रह्मावत्सों का यह लक्ष्य होना चाहिए कि प्यारे बाबा ने हमें जो इतने स्वमान दिए हैं, उन स्वमानों के स्वरूप में हम सदा ही स्थित रहें और ओर्डिनरी (साधारण) न बनें।

सभी के प्रति हमारा दृष्टिकोण ऊँचा होना चाहिए। हम सभी होवनहार देवी-देवता हैं। साथ ही उन्होंने अपने तपस्वी जीवन के अनुभव भी हम सभी के साथ साझा किये। अपने लक्ष्य को न भूलना, एकरस मनोस्थिति बनाए रखते हुए, लक्ष्य और लक्ष्यदाता की स्मृति में रहकर, छोटी-छोटी बातों को महत्व न देते हुए, आगे बढ़ने की बात कही। इसके पश्चात् 12 बजे के सत्र में **ब्र.कु. सुमन बहन** द्वारा क्रिएटिव मेडिटेशन कराया गया। शाम को मधुबन से लाइव प्रसारण के द्वारा वीडियो के माध्यम से अव्यक्त बापदादा मिलन कराया गया।

दिनांक 16 नवंबर 2024 को प्रातः 9.30 से 11.00 बजे तक **"Need of Balanced Life"** व **"Mind and its Engineering"** विषय पर **ब्र.कु. क्राति बहन** (कोटा) ने सत्र को संबोधित करते हुए कहा, "कोरोना (कोविड-19) के दौरान सिर्फ 15 दिन में इस कोर्स की डिज़ाइन तैयार की गई है। लाइफ़ को बैलेंस कैसे जिया जाए, इसके तरीके यह कोर्स बताता है। योग हम सब ब्रह्मावत्सों के लिए सर्वप्रथम है, यह बताते हुए उन्होंने कहा कि मेडिटेशन हम सबके लिए ऑक्सीजन है और भगवान की जरूरत को यह कोर्स भलीभांति समझाता है। हमें बच्चों को दिमाग के अनुकूल ज्ञान देना है ताकि अध्ययन का दबाव कम हो और बच्चों के लक्ष्य में मददगार बने, इस तरह से यह कोर्स विकसित किया गया है। स्टुडेंट्स आज परिवार से अकेला रहकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति में लगा हुआ है, उसकी चिंता करते हुए उन्होंने बताया कि यह कोर्स बच्चे का प्रेशर कम करेगा।

इसके बाद प्रात: 11:00 से 11:30 बजे तक **ब्र.कु. राजेश अरोरा** (आबू रोड) ने **"Experiencing Various Stages of Human Consciousness"** विषय पर सत्र को संबोधित किया।

तत्पश्चात् 11:30 से 1:00 बजे तक **ब्र.कु. मुकेश** (जयपुर) ने एक विशेष सत्र **"Value Games"** पर वर्कशॉप कराया जिसमें उन्होंने स्कूल के विद्यार्थियों के लिए वैल्यूज़ को और भी प्रभावी तरीके से खेल-खेल में समझाने के लिए नए क्रिएटिव गेम्स को इनोवेट करने और प्रभावी रूप से संचालित करने के तरीकों पर चर्चा की। क्लास में सम्मिलित ब्र.कु. भाई-बहनों के 20 ग्रुप बनाए गए और सभी ग्रुपों ने अलग-अलग गेम्स बनाकर अपना-अपना सहयोग दिया।

दोपहर 3:30 से 4:30 एवं सायं 6:00 से 7:00 बजे तक **ब्र.कु. बालाकिशोर भाई** (हैदराबाद) का **"Digital Wellness"** पर क्लास रहा, जिसमें उन्होंने मोबाइल के दोनों पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने नकारात्मक पहलू की ओर इशारा करते हुए कहा कि आप जितने स्क्रीन के साथ जुड़ेंगे, उतने ही आप इमोशनली कमजोर होते जाएंगे, क्योंकि मोबाइल माया नहीं, मोहिनी-माया है। माया का मोहिनी रूप सोशल मीडिया है, जिससे बचने की भी हिदायत दी। Digital Wellness पर जो पुस्तक तैयार हुई है, उसे यूजीसी के साथ मिलकर अनेकों विश्वविद्यालयों में इस कोर्स को लागू करने की बात कही। साथ ही यह भी बताया कि इसके लिए इस पुस्तक के सभी टॉपिक्स को शिक्षा विंग के भाई-बहनों को 6-9 महीनों में सोच-समझकर तैयार करना होगा, ताकि सेवाओं को प्रभावी रूप से बढ़ाया जा सके।

5:00 से 6:00 तक **ब्र.कु. सुप्रिया** (पुणे) का **"Serving the Five Elements"** विषय पर क्लास रहा, जिसमें उन्होंने यूजीसी की NEP 2020 की चर्चा करते हुए पर्यावरण की महत्ता को स्वीकारा। प्रकृति के पांचों तत्व बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, उसे सजाने, संवारने और बचाने में हम सभी का योगदान चाहिए। बच्चों का और हम सबका भी प्रकृति के प्रति रवैया बदलना होगा। इसके लिए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के लिए बाह्य रूप से भी तथा सूक्ष्म रूप से शक्तिशाली वायब्रेशन्स के द्वारा सेवा करनी होगी।

दिनांक 17 नवम्बर 2024 को प्रात: 9:30 बजे से ही भारत के विभिन्न स्थानों से मीटिंग में आए हुए शिक्षा विंग के सदस्यों द्वारा अपने-अपने सेवास्थलों पर की जाने वाली सेवाओं की जानकारी दी गई।

दोपहर 12 बजे से सभी सदस्यों को **राजयोगिनी ब्र.कु. कुलदीप दीदी** द्वारा ईश्वरीय सौगात दी गई। दोपहर 4 बजे से सभी सदस्यों को शांति सरोवर परिसर में नवनिर्मित इनर स्पेस भवन का दौरा कराया गया, जहाँ सायं 5 बजे से एक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें विंग द्वारा भविष्य में की जाने वाली सेवाओं की रूपरेखा पर विचार-विमर्श एवं सुझावों का आदान-प्रदान हुआ। इसके पश्चात् सायं 6:30 से 7:30 तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी ने संगठित रूप से योगाभ्यास किया।

आगामी सेवाओं की रूपरेखा और सुझावों पर विचार-विमर्श

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ में मूल्य शिक्षा कार्यक्रम

ब्रह्माकुमारीज़ किशोर सागर द्वारा महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ में भावी भविष्य के पंडित, आचार्य, विद्वान और हमारे आदर्श भारत की संस्कृति को बचाने वाले बच्चों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महर्षि वेद विद्यापीठ के प्रबंधक राजेश कुमार श्रीवास्तव, उप प्रबंधक गोपाल कृष्ण श्रीवास्तव, प्राचार्य मनमोहन उपाध्याय, ध्यान शिक्षक प्रमोद द्विवेदी, आचार्य टीकाराम शर्मा, जय नारायण शुक्ला सहित 100 बच्चों ने भाग लिया। साथ ही ब्र.कु. रीना, ब्र.कु. कल्पना, ब्र.कु. नम्रता और ब्र.कु. आरती ने बच्चों को मूल्य शिक्षा के बारे में बताते हुए अनेक प्रकार की ज्ञानवर्धक एक्टिविटी भी कराई गई।

1

2

3

4

1. **इंदौर (मध्य प्रदेश)।** ओम प्रकाश भाईजी सभागृह, इंदौर में तीन दिवसीय **राजयोग थॉट लैब ट्रेनिंग** का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. रेणु जैन, कुलपति, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, ब्र.कु. हेमलता दीदी, ब्र.कु. शशि बहन, प्रो. ब्र.कु. मुकेश, ब्र.कु. सुप्रिया, ब्र.कु. चित्रा आदि उपस्थित थे।
2. **कोलकाता (पश्चिम बंगाल)।** ब्रह्माकुमारीज़ एजुकेशन विंग और मालदा कॉलेज (पश्चिम बंगाल) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें छात्रों के सशक्तिकरण और आत्म-विकास के लिए सहमति बनी। कार्यक्रम में मालदा कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मानस कुमार बैद्य; आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर श्री नारायण चंद्र शॉ; ब्रह्माकुमारीज़ श्यामनगर केंद्र की प्रभारी ब्र.कु. कमला और मालदा केंद्र की प्रभारी ब्र.कु. जयंती ने भाग लिया।
3. **डिंडोरी (छ.ग.)।** शासकीय हायर सेकंडरी विद्यालय डिंडोरी, जिला मुंगेली के छात्र-छात्राओं को इंदौर से पधारे ब्र.कु. नारायण ने सफलता प्राप्त करने की विधियों पर विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर व्याख्याता शोभाराम साहू, ब्र.कु. प्रतिभा आदि उपस्थित थे।
4. **कुरुक्षेत्र (हरियाणा)।** एनआईटी कुरुक्षेत्र की थॉट लैब द्वारा आयोजित **'डिज़ाइन योर डेस्टिनी'** कार्यक्रम में डॉ. ई.वी. स्वामीनाथन ने छात्रों को सकारात्मकता और आत्मविकास के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रो. दीक्षित गर्ग सहित स्टाफ उपस्थित थे।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

New Delhi

Shantivan (ABR)

Jabalpur (MP)

Panna (MP)

Rajkot (Guj.)

Rajgarh (MP)

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

New Delhi

New Delhi

Gadarwara (MP)

Mungeli (MP)

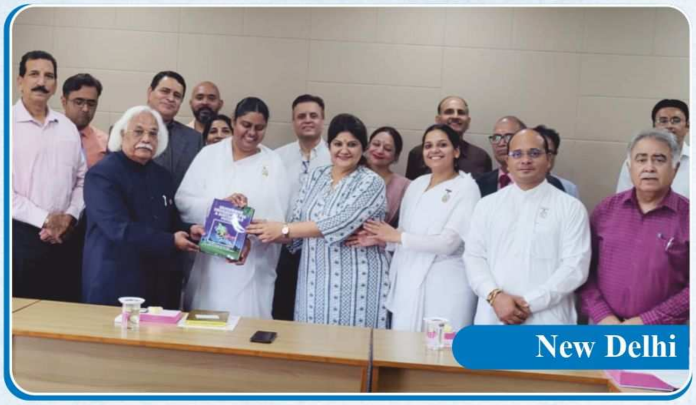
New Delhi

New Delhi

Chhatarpur (MP)

1

2

1. अहमदाबाद (गुजरात)। शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने प्रसिद्ध उद्योगपति श्री गौतम अडाणी जी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रीतिबेन अडाणी को ईश्वरीय सौगात भेंट की और मधुबन आने के लिए निमंत्रण दिया। इस अवसर पर ब्र.कु. नेहा, ब्र.कु. नंदा तथा अन्य उपस्थित थे।
2. शांति सरोवर (हैदराबाद)। श्री भास्कर कला अकादमी, हैदराबाद की कन्याओं द्वारा प्रभु स्मृति पर आधारित मनमोहक नृत्य प्रस्तुति की गई।

Education Wing HQs. Office:
Dr. B.K. Mruthyunjaya
Chairman, Education Wing, RERF
Brahma Kumaris, Education Wing Office
3rd Floor, Anand Bhawan, Shantivan
Abu Road - 307 510 (Raj.)
+91 94140-03961 / +91 94263-44040
educationwing@bkivv.org
www.educationwing.com

To,